शब्दार्थ

1) तट- किनारा

2) दलदल- कीचड़ युक्त जमीन जिसमें खड़े होने पर पाँव घसता जाए

3) डंक- बिच्छू जैसे छोटे जंतुओं का जहरीला काँटा

4) स्वभाव – आदत,प्रकृति

5)गुलाम – दास

6)पुनः - फिर

7)संकट - मुसीबत

8)करुण पुकार- दया से भरे स्वर में किसी को सहायता के लिए पुकारना

9) सहसा - अचानक, एकाएक

10)शर्म से पानी पानी हो गया - बहुत शर्म अनुभव की , लज्जित हुआ 11)विश्वासघात - धोखा 12)निर्दोष जिसका दोष ना हो, बेकसूर, दोष रहित 13)राह – रास्ता

14 प्रसन्न - खुश